This question paper contains **3** printed pages]

AN—116—2019

FACULTY OF ARTS

M.A. (First Year) (Second Semester) EXAMINATION

MARCH/APRIL, 2019

HINDI

Paper VI

(नाट्य साहित्य, भाग-2)

(Thursday, 25-4-2019) **Time : 10.00 a.m. to 1.00 p.m.**

Time—3 *Hours* *Maximum Marks*—75

N.B. :— (*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) दाहिनी ओर प्रश्नों के पूर्णांक दिए गए हैं।

1. संदर्भ सहित अर्थ स्पष्ट कीजिए :

(अ) ''मेरा अपना घर ! ..... हाँ। और मैं आती हूँ कि एक बार फिर खोजने की कोशिश कर देखूँ कि क्या चीज है वह इस घर में जिसे लेकर बार-बार मुझे हीन किया जाता है।'' 10

अथवा

जैसे गंगा का पानी। नाली का पानी गंगा में मिल जाता और गंगा बन जाता है, वैसे ही संत के अखाड़े में चोर, लफंगा, जुआरी, बदमाश, लोफर, शराबी-कबाबी जो भी आएगा बेटा, संत के अखाड़े में आएगा, संत बन जाएगा।

(आ) ''रात मैंने एक ओर बहुत कुछ पाया, तो दूसरी ओर यह भी जाना कि अब तक कितना कुछ खोया है ! ..... खोने में से पाने का सन्तोष ..... और पाने में से खोने का आक्रोश ..... ।'' 10

P.T.O.

अथवा

'अगर मैं कुछ खास लोगों के साथ संबंध बनाकर रखना चाहती हूँ तो अपने लिए नहीं, तुम लोगों के लिए। पर तुम लोग इससे छोटे होते हो, तो मैं छोड़ दूँगी कोशिश।'

2. 'चरणदास चोर' नाटक की कथावस्तु की समीक्षा कीजिए। 20

अथवा

साठोत्तरी हिंदी नाटकों का परिचय देते हुए रंगमंच के महत्व को विशद कीजिए।

3. ''दाम्पत्य जीवन की त्रासदी ही आधे-अधूरे का केंद्र-बिंदु है।'' चर्चा कीजिए। 20

अथवा

हिंदी नाटक की विकास यात्रा पर प्रकाश डालिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **15-20** पंक्तियों में लिखिए : 5

(*i*) गिरीश कर्नाड के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को स्पष्ट कीजिए।

(*ii*) धर्मवीर भारती का जीवन-परिचय दीजिए।

(*iii*) उपेंद्रनाथ 'अश्क' के नाटकों की विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए।

(*iv*) जगदीशचंद्र माथुर का हिंदी नाटक साहित्य में स्थान निश्चित कीजिए।

5. (अ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर **एक** वाक्य में लिखिए : 5

(*i*) 'हयवदन' किस विधा की रचना है ?

(*ii*) 'बकरी' किसका नाटक है ?

(*iii*) उपेंद्रनाथ 'अश्क' का एकमात्र ऐतिहासिक नाटक कौनसा है?

(*iv*) जगदीशचंद्र माथुर का जन्म कब हुआ ?

(*v*) 'सूरज का सातवाँ घोड़ा' के रचनाकार कौन हैं ?

(ब) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए : 5

(*i*) 'अंधा युग' के रचनाकार ..... हैं।

(*ii*) 'हयवदन' ..... भाषा का नाटक है।

(*iii*) 'जय-पराजय' ..... का नाटक है।

(*iv*) सर्वेश्वर दयाल सक्सेना की मृत्यु ..... को हुई।

(*v*) 'कोणार्क' के रचनाकार ..... हैं।

3AB22FADDF5E2A9078C4DB456D294505